अध्याय 5: सुंदरिया

विषय-सूची 9 प्रश्नावली · 29 प्रश्न

प्रश्नावली 5.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 5.2	पाठ से	4 प्रश्न
प्रश्नावली 5.3	सोचिए और लिखिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 5.4	सुंदरिया और हीरासिंह	2 प्रश्न
प्रश्नावली 5.5	समझ और अनुभव	4 प्रश्न
प्रश्नावली 5.6	अनुमान और कल्पना	3 प्रश्न
प्रश्नावली 5.7	भाषा की बात	4 प्रश्न
प्रश्नावली 5.8	पाठ से आगे	3 प्रश्न
प्रश्नावली 5.9	कल्पना की उड़ान	1 प्रश्न

प्रश्नावली 5.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

जवाहरसिंह अपनी गाय को मौसी कहकर बुलाता है। आप अपने घर या आस-पास के पशु-पक्षियों को क्या कहकर पुकारते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपने घर की बिल्ली को 'मिन्नी' और आँगन में आने वाले कबूतरों को 'गुटरगू' कहकर बुलाता हूँ। पड़ोस के कुत्ते को सब 'भूरा' के नाम से जानते हैं।

प्रश्न 2

सुंदरिया के दूर चले जाने के बाद जवाहरसिंह को कैसा लगा होगा? जब आपका कोई प्रिय आपसे दूर हो जाए तो आपको कैसा लगता है?

उत्तर: सुंदरिया के जाने के बाद जवाहरसिंह को बहुत दुःख हुआ होगा क्योंकि वह उसे मौसी की तरह मानता था। नमूना उत्तर: जब मेरा कोई प्रिय दूर जाता है तो मन उदास हो जाता है और बार-बार उसकी याद आती रहती है।

प्रश्न 3

जवाहरसिंह सुंदरिया की देखभाल के लिए क्या-क्या करता होगा?

उत्तर: जवाहरसिंह सुंदरिया को समय पर चारा और पानी देता होगा, उसे सहलाता और साफ़ रखता होगा, और प्यार से उससे बातें करता होगा।

प्रश्न 4

आप अपने आस-पास के पशु-पक्षियों के लिए क्या-क्या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं छत पर पक्षियों के लिए दाना और पानी रखता हूँ। गली के कुत्तों को रोटी देता हूँ और घायल जानवर दिखने पर बड़ों की मदद से उसकी सहायता करता हूँ।

प्रश्नावली 5.2 — पाठ से

प्रश्न 1

लोग सुंदरिया को देखकर ईर्ष्या क्यों करते थे? सही उत्तर चुनिए — (क) सुंदरिया को खाने-पीने को बहुत कुछ मिलता था। (ख) सुंदरिया बहुत आकर्षक थी। (ग) सुंदरिया बहुत दूध देती थी। (घ) सुंदरिया सभी से प्रेम करती थी।

उत्तर: (ख) सुंदरिया बहुत आकर्षक थी। (ग) सुंदरिया बहुत दूध देती थी।

प्रश्न 2

हीरासिंह के मन में सुंदरिया को बेचने की बात क्यों आई? सही उत्तर चुनिए — (क) सुंदरिया सभी को परेशान करने लगी थी। (ख) सुंदरिया के लिए चारे का प्रबंध करना कठिन हो गया था। (ग) सुंदरिया हीरासिंह के घर नहीं रहना चाहती थी। (घ) सुंदरिया पड़ोसियों को परेशान करती थी।

उत्तर: (ख) सुंदरिया के लिए चारे का प्रबंध करना कठिन हो गया था।

प्रश्न 3

हीरासिंह ने स्वयं को गाय की नौकरी पर लगाने की बात क्यों कही? सही उत्तर चुनिए — (क) सुंदरिया को ठीक से चारा नहीं मिलता था। (ख) वह गाय से बिछोह सहन नहीं कर पा रहा था। (ग) उसे रुपयों की आवश्यकता थी। (घ) गाय घोसी के व्यवहार से प्रसन्न नहीं थी।

उत्तर: (ख) वह गाय से बिछोह सहन नहीं कर पा रहा था।

प्रश्न 4

गाय घोसी के साथ क्यों नहीं जाना चाहती थी? सही उत्तर चुनिए — (क) गाय हीरासिंह और उसके परिवार से अलग नहीं होना चाहती थी। (ख) गाय को भय था कि घोसी उसे स्नेह से नहीं पालेगा। (ग) गाय को अपने गाँव के सभी लोगों की याद आ रही थी। (घ) गाय बीमार थी और चल नहीं पा रही थी।

उत्तर: (क) गाय हीरासिंह और उसके परिवार से अलग नहीं होना चाहती थी।

प्रश्नावली 5.3 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

हीरासिंह गाय को बेचने से क्यों डर रहा था?

उत्तर: हीरासिंह इसलिए डर रहा था क्योंकि सुंदरिया उनके परिवार का हिस्सा बन चुकी थी। उसका बेटा जवाहरसिंह उसे मौसी कहकर बुलाता था, इसलिए उसे बेचने की सोच से ही उसका मन दुखी हो जाता था।

प्रश्न 2

सेठ हीरासिंह की गाय को देखकर क्यों प्रसन्न हुआ?

उत्तर: सुंदरिया देखने में बहुत सुंदर और स्वस्थ थी। हीरासिंह ने उसे दुहकर पंद्रह सेर से भी अधिक दूध निकालकर दिखाया। इतनी अच्छी गाय सेठ ने पहले कभी नहीं देखी थी, इसलिए वह बहुत प्रसन्न हुआ।

प्रश्न 3

"तुमने मुझे धोखे में क्यों रखा?" सेठ ने हीरासिंह से ऐसा क्यों कहा?

उत्तर: सेठ ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जब घोसी ने गाय को दुहा तो सुबह पाँच सेर भी दूध नहीं उतरा, जबकि हीरासिंह ने पहले पंद्रह सेर दूध दिखाया था। सेठ को लगा कि हीरासिंह ने उसे गलत बात बताकर ठगा।

प्रश्न 4

सेठ के कुछ कहने से पहले ही हीरासिंह गाय को लेकर क्यों चल दिया?

उत्तर: रात को सुंदरिया खुद हीरासिंह की कोठरी के दरवाजे पर आकर खड़ी हो गई थी। उसकी तकलीफ़ देखकर हीरासिंह का मन भर आया। उसने तय कर लिया कि अब वह गाय को वापस गाँव ले जाएगा, चाहे तनख्वाह से रुपए कटते रहें।

प्रश्नावली 5.4 — सुंदरिया और हीरासिंह

प्रश्न 1

कहानी में सुंदरिया की बहुत-सी विशेषताओं का पता चलता है। उन विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर: सुंदरिया बहुत आकर्षक और स्वस्थ थी। वह बहुत अधिक दूध देती थी। वह अपने मालिक और उसके परिवार से गहरा लगाव रखती थी। वह समझदार थी और अपनी भावनाएँ आँखों से व्यक्त करती थी।

प्रश्न 2

हीरासिंह की विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर: हीरासिंह एक मेहनती और ईमानदार किसान था। वह अपने परिवार और सुंदरिया से बहुत प्यार करता था। वह संवेदनशील था और अपने जानवर को परिवार का सदस्य मानता था। वह अपनी मजबूरी के बावजूद सच्चाई से काम लेता था।

प्रश्नावली 5.5 — समझ और अनुभव

प्रश्न 1

क्या आपको लगता है कि पशु-पक्षी भी हमारी भावनाएँ समझते हैं? कोई अनुभव साझा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: हाँ, मुझे लगता है कि पशु-पक्षी हमारी भावनाएँ समझते हैं। एक बार जब मैं उदास था तो हमारा कुत्ता चुपचाप मेरे पास आकर बैठ गया और अपना सिर मेरी गोद में रख दिया। ऐसा लगा जैसे वह मुझे दिलासा दे रहा हो।

प्रश्न 2

जवाहरसिंह सुंदरिया को 'मौसी' कहकर क्यों संबोधित करता होगा?

उत्तर: जवाहरसिंह सुंदरिया को 'मौसी' इसलिए कहता होगा क्योंकि वह उसे केवल गाय नहीं बल्कि परिवार का एक स्नेही सदस्य मानता था। सुंदरिया उसकी देखभाल करती थी और वह उससे घर के बड़े जैसा लगाव महसूस करता था।

प्रश्न 3

नगरों में बड़े पशुओं (गाय, भैंस, ऊँट आदि) को पालतू बनाने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। आपको इसके क्या कारण लगते हैं?

उत्तर: नगरों में जगह की कमी होती है इसलिए बड़े पशु रखना मुश्किल होता है। चारे और पानी की व्यवस्था करना भी कठिन और महँगा है। इसके अलावा लोगों के पास देखभाल के लिए समय भी कम होता है।

प्रश्न 4

पशु-पक्षी मनुष्य की तरह बोल तो नहीं पाते, परंतु वे भी आपस में अपनी बातें करते होंगे। क्या आप इस बात से सहमत हैं? अपने उत्तर के लिए उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर: हाँ, मैं इससे सहमत हूँ। कौए काँव-काँव करके खतरे की सूचना देते हैं। कबूतर गुटर-गूँ से एक-दूसरे से बात करते हैं। कुत्ते भी भौंककर अपने साथियों को कुछ बताते हैं। ये आवाज़ें उनके आपसी संवाद का तरीका हैं।

प्रश्नावली 5.6 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

गाय का नाम 'सुंदरिया' किसने एवं क्यों रखा होगा?

उत्तर: यह नाम हीरासिंह या उसके परिवार ने रखा होगा। गाय डील-डौल में बड़ी और देखने में बहुत सुंदर थी, इसलिए प्यार से उसे 'सुंदरिया' कहा जाने लगा।

प्रश्न 2

हीरासिंह के घर से सुंदरिया की विदाई के दृश्य की कल्पना कीजिए।

उत्तर: जब सुंदरिया को घर से ले जाया जा रहा होगा तो जवाहरसिंह रो रहा होगा। पूरे परिवार का मन दुखी होगा। सुंदरिया भी बार-बार पीछे मुड़कर देखती होगी। घर का माहौल बिल्कुल वैसा होगा जैसे परिवार का कोई प्रिय सदस्य विदा हो रहा हो।

प्रश्न 3

सुंदरिया को वापस घर लेकर जाते हुए हीरासिंह को कैसा लग रहा होगा एवं क्यों?

उत्तर: हीरासिंह बहुत हल्का और खुश महसूस कर रहा होगा। उसे संतोष होगा कि उसने अपने दिल की सुनी और सुंदरिया को वापस ला रहा है। साथ ही उसे अपनी ज़िम्मेदारी का भी अहसास होगा कि वह सेठ के रुपए चुकाएगा।

प्रश्नावली 5.7 — भाषा की बात

प्रश्न 1

नीचे दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए: लाज से गड़ जाना, दूध देने में कामधेनु, जी भर जाना, एकटक देखना, आँख लगना।

उत्तर: लाज से गड़ जाना — अर्थ: शर्म के मारे नज़रें झुका लेना। वाक्य: जब माँ ने सबके सामने पूछा, तो रमेश लाज से गड़ गया। दूध देने में कामधेनु — अर्थ: बहुत अधिक दूध देने वाली गाय। वाक्य: सुंदरिया दूध देने में बिल्कुल कामधेनु थी। जी भर जाना — अर्थ: मन का दुख से भर उठना। वाक्य: बेटे को जाते देख माँ का जी भर आया। एकटक देखना — अर्थ: बिना पलक झपकाए लगातार देखना। वाक्य: वह एकटक आकाश में उड़ते पक्षियों को देखता रहा। आँख लगना — अर्थ: नींद आ जाना। वाक्य: थकान के कारण कुर्सी पर बैठे-बैठे उसकी आँख लग गई।

प्रश्न 2

वाक्यों में रेखांकित शब्द से मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द चुनकर वाक्य पुनः लिखिए: (क) सुंदरिया की सुंदरता से कई लोगों को जलन होती थी। (प्रसन्नता/ईर्ष्या) (ख) एक गाय का बंदोबस्त कर दो। (प्रबंध/संकेत) (ग) सुंदरिया मेरी रुसवाई क्यों कराती है? (प्रशंसा/अपमान) (घ) सुंदरिया को देखकर हीरासिंह विह्वल हो उठा। (भावुक/प्रसन्न) (ङ) कसकर चाकरी करवाएँ। (नौकरी/बागवानी)

उत्तर: (क) सुंदरिया की सुंदरता से कई लोगों को ईर्ष्या होती थी। (ख) एक गाय का प्रबंध कर दो। (ग) सुंदरिया मेरा अपमान क्यों कराती है? (घ) सुंदरिया को देखकर हीरासिंह भावुक हो उठा। (ङ) कसकर नौकरी करवाएँ।

प्रश्न 3

नीचे दिए गए वाक्यों का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए: (क) रुपए तो ले लिए लेकिन हीरासिंह का जी भरा जा रहा था। (ख) गाय की नौकरी पर मुझे लगा दीजिए। चाहे तनख्वाह कम कर दीजिए। (ग) गाय ने उसकी ओर देखा। जैसे पूछना चाहती थी — 'क्या सचमुच ही इसके साथ चली जाऊँ?' (घ) सुंदरिया, देख... मेरी ओछी मत करा। मैं दूर हूँ तो क्या! इसमें मुझे सुख है?

उत्तर: (क) पैसे तो मिल गए, पर सुंदरिया को बेचने का दुख हीरासिंह के मन को भारी कर रहा था। (ख) हीरासिंह चाहता था कि वह गाय की देखभाल में लगा रहे, पैसे की परवाह नहीं थी। (ग) गाय भी जाना नहीं चाहती थी और अपनी आँखों से हीरासिंह से पूछ रही थी। (घ) हीरासिंह सुंदरिया से विनती कर रहा था कि वह ठीक से रहे और उसकी बदनामी न कराए।

प्रश्न 4

रेखांकित शब्द किसके लिए प्रयोग किए गए हैं? पहचानकर लिखिए: (क) उसे एक सेठ के यहाँ चौकीदार की नौकरी मिल गई। (ख) उसे देखकर लोगों को ईर्ष्या होती थी। (ग) वह कैसे बताए कि सुंदरिया उसके परिवार का अंग है। (घ) सचमुच वैसी सुंदर, स्वस्थ गाय उन्होंने अब तक न देखी थी। (ङ) गाय उसके साथ जाना ही नहीं चाहती थी।

उत्तर: (क) हीरासिंह के लिए। (ख) सुंदरिया के लिए। (ग) हीरासिंह के लिए। (घ) सेठ जी के लिए। (ङ) घोसी के लिए।

प्रश्नावली 5.8 — पाठ से आगे

प्रश्न 1

चित्रों को देखते हुए सुझाइए कि हम पशु-पक्षियों के लिए क्या-क्या कर सकते हैं।

उत्तर: नमूना उत्तर: हम पक्षियों के लिए छत पर दाना-पानी रख सकते हैं। घायल जानवरों की मदद कर सकते हैं। पशुओं के साथ क्रूर व्यवहार का विरोध करना चाहिए। आवारा जानवरों के लिए भोजन और आश्रय की व्यवस्था में सहयोग दे सकते हैं।

प्रश्न 2

आपके घर में दूध कहाँ से आता है? किन-किन पशुओं का दूध पीने के लिए उपयोग किया जाता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: हमारे घर में दूध डेयरी से आता है। गाय और भैंस का दूध सबसे अधिक उपयोग होता है। पहाड़ी इलाकों में याक का और कुछ स्थानों पर बकरी और ऊँट का दूध भी पीया जाता है।

प्रश्न 3

किसी गौशाला या डेयरी फार्म का भ्रमण कर पता कीजिए कि पशुओं का लालन-पालन कैसे किया जाता है।

उत्तर: नमूना उत्तर: गौशाला में पशुओं को समय पर चारा, हरी घास और साफ़ पानी दिया जाता है। उनकी साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखा जाता है। बीमार होने पर पशु-चिकित्सक बुलाया जाता है। इस प्रकार देखभाल से पशु स्वस्थ और प्रसन्न रहते हैं।

प्रश्नावली 5.9 — कल्पना की उड़ान

प्रश्न 1

सेठ के घर से लौटकर जाते हुए हीरासिंह सुंदरिया को प्यार करता है और उससे बातें करता है। यदि सुंदरिया भी बोल सकती तो कल्पना कीजिए कि दोनों के बीच क्या बातचीत होती।

उत्तर: नमूना उत्तर: हीरासिंह — सुंदरिया, माफ़ करना, मजबूरी में तुझे यहाँ लाना पड़ा। सुंदरिया — मालिक, मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं, बस आपसे दूर रहकर मेरा दिल नहीं लगा। हीरासिंह — तू मेरे घर का हिस्सा है, अब कभी नहीं बेचूँगा। सुंदरिया — और मैं भी खूब दूध दूँगी, बस मेरे पास रहिए मालिक।